राजस्थान RAJASTHAN

।। श्री राम जी ।।

579230

बयनामा

1- मैं कि - प्रताप उम्र 61 वर्ष पुत्र श्री गजमल कौम फौजदार निवासी तुहिया

2- तहसील व जिला भरतपुर का विक्रेता हूँ ।

बहक

3- " चौधरी आकाश विशाल शिक्षा समिति भरतपुर " रजिस्टर्ड क्रमांक 198/भरत/

4- 2006-2007 एवं श्री राजेन्द्र सिंह उम्र 35 वर्ष पुत्र श्री जगन सिंह जाति जाट

5- निवासी गांधी नगर, रेल्वे कॉलोनी, भरतपुर ----- क्रेतागण

उप पंजीयक
भरतपुर (राज०)

6- जो कि मुझ विक्रेता के कब्जे काश्त व हकूक खातेदारी में आराजी

7- खसरा नम्बर 1825 रकबा 39 बीघा किस्म बारानी जमा माल वाछ पाके ग्राम

8- तुहिया तहसील व जिला भरतपुर है जिसे मुन्तकिल करने के अधिकार मुझ विक्रेता

9- को प्राप्त है । उक्त भूमि गांव की आबादी से काफी दूर रास्ते के सहारे है ।

10- चूंकि मुझविक्रेता को दीगर इखराजात रुपयों की अत्यन्त आवश्यकता है

प्रतापसिंह

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु.5000 Rs.5000

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

राजस्थान RAJASTHAN // 2 // 579231

इसलिए मुझ विक्रेता ने उक्त नम्बर आराजी को पदुरूस्ती होश हवाश के वसेवज मुवलिग 3,35,000/- रुपये अंकेन तीन लाख पैतीस हजार रुपये जिनके निस्फ मुवलिग 1,67,500/- रुपये अंकेन एक लाख सड़सठ हजार पांच सौ रुपये होते है वदस्त क्रेता " चौंधरी आकाश विशाल शिक्षा समिति भरतपुर " को 29 शेयर भूमि व क्रेता श्री राजेन्द्र सिंह को 10 शेयर भूमि कतई बयनामा कलाम कर दिया है औरकब्जा व दखल आज इस बयनामा के तहरीर होते ही क्रेता संस्था के मंत्री श्री राजेन्द्र सिंह पुत्र श्री जगन सिंह कौम जाट निवासी गांधी नगर, रेल्वे कॉलोनी भरतपुर को क्रेता संस्था की ओर से एवं क्रेता राजेन्द्र सिंह को स्वयं उसको विक्रय होने वाली भूमि का वाकई संभाल दिया है जिस पर उन्होंने अपना कब्जा कर लिया है अतः जो हक हकूक दाखिली खारिजी व हक आशायस विक्रय होने वाली भूमि से सम्बन्धित मुझ विक्रेता को प्राप्त थे आयन्दा क्रेतागण को प्राप्त होगें और मिसिल मेरे क्रेतागण काबिज व दाखिल रहकर अपने तहत व

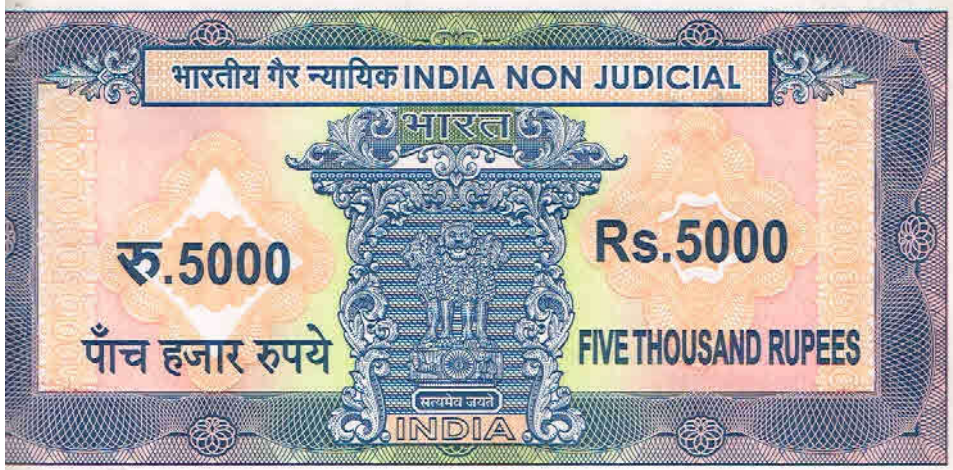

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु.5000 Rs.5000

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

स्थान RAJASTHAN

579232

तसरूफ में लावेगें तथा जमा माल को आयन्दा स्वयं समय पर अदा करने के जिम्मेवार रहेगें। विक्रय होने वाली भूमि हर तरह के झगडे से पाक व साफ है कहीं दीगर जगह रहन बय नहीं है कोई मुकदमा, विवाद, स्थगन आदेश न्यायालय का नहीं है काश कोई सख्स मुझ विक्रेता का सहमि व सरीक बनकर उज्रदार दावेदार पैदा होगा तो उसकी जबाब देही व जुम्मे मुझ विक्रेता की होगी। क्रेता से कोई ताल्लुक नहीं होगा। अगर किसी उज्रदारी इत्यादि की बजह से विक्रय होने वाली भूमि या उसका कोई भाग, कुल कब्जे क्रेतागण से निकल जावेगा तो जरे समन मय सूद मुनासिब मुझ विक्रेता की दीगर चल व अचल सम्पत्ति से वसूल करने का अधिकार क्रेतागण को होगा। जरे समन मुबलिग 3,35,000/- रूपये मुझ विक्रेता ने आज नगद बेरून अदालत क्रेतागण से चुकती वसूल पा लिए है अब कोई रकम शेष नहीं है। बयनामा हाजा 20,000/- रूपये के स्टाम्पस पर 38 लाइनों में तहरीर है जिसका स्टाम्पस फीस खर्चा बयनामा

राजस्थान RAJASTHAN

382241

// 4 //

35- पंजीयन क्रेतागण ने वहन किया है ।

36- लिहाजा यह बयनामा बदुरुस्ती दोश हवाश के साथ लिख दिया कि

37- सनदरहे व समय पर काम आवें । मुकाम भरतपुर ड्राफ्टेड बाई संजय सिंघल

38- एडवोकेट भरतपुर दिनांक 28·3·2007

ह0- विक्रेता

ह0- क्रेतागण-

ह0- क्रेता-

उप पंजीयक
भरतपुर (राज0)

गवाह-

गवाह-